Prabhat Khabar (Date: - 17/12/2019)

राजधानी में दौड़ेंगी 50 सीएनजी बसें

प्रमोद झा ▷ पटना

परिवहन निगम में पुरानी बसों में लंबी दूरी की यात्रा से छुटकारा मिलेगा. नयी बसों में अब आरामदायक यात्रा की सुविधा मिलेगी. इसके लिए परिवहन निगम में 165 बसों की खरीद प्रक्रिया शुरू की गयी है. जानकारों के अनुसार सारी प्रक्रिया सही समय से हो गयी, तो अगले साल में निगम को नयी बसें मिल जायेगी. नयी बसों के मिलने से प्रदूषण से भी राहत मिलेगी, क्योंकि राजधानी में सीएनजी बसें चलेंगी. नयी बसों की खरीद के लिए जेम पोर्टल पर टेंडर की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है.

200 बसों की होगी खरीद : परिवहन निगम ने 165 बसों की खरीद प्रक्रिया शुरू की है. इसमें एसी, नन एसी के अलावा सीएनजी बसें शामिल हैं. आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सबसे अधिक बसों की खरीदारी लंबी दूरी के लिए है. इसमें थ्री वाइ टू व टू वाइ टू है. नन एसी 50 व एसी 15 बसें होंगी. इन बसों का इस्तेमाल राजधानी से राज्य के अन्य शहरों के लिए होगा. ताकि, यात्रियों को लंबी दूरी के सफर में आराम मिल सके. वहीं, 100 सिटी बसें होगी.

इसमें 50 बसें सीएनजी से चलेंगी. जबकि, 50 बसें डीजल से चलनेवाली होंगी. पटना में सीएनजी बसें चलेगी. डीजल से चलनेवाली बसों को आसपास के कम दूरी के शहरों के लिए चलायी जायेगी. इसके अलावा 25 इलेक्ट्रिक बसें लीज पर ली जायेगी.

खरीद के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू : नयी बसों की खरीद के लिए टेडर प्रक्रिया शुरू हो गयी है. 20 से 23 दिसंबर तक विभिन्न तारीखों में टेंडर भरने का समय निर्धारित है. सूत्र ने बताया कि टेंडर में टाटा, महिंद्रा, आयशर, अशोक लेलैंड आदि जैसी नामी कंपनियों के भाग लेने की संभावना है.

परिवहन निगम के प्रशासक अमरेंद्र प्रसाद सिंह ने बताया कि निगम मे नयी बसों की खरीद के लिए प्रक्रिया शुरू की गयी है. टेंडर भरने के लिए समय निकाला गया है. नयी बसों के आने से लोगों को सुविधा मिलेगी.

Prabhat Khabar (Date: - 17/12/2019)

चाइना में इंडिया को रिप्रेजेंट करेंगी पटना की आरोही

■ **2015 में मिस बिहार बन कर पटना का नाम रोशन किया**

लाइफ रिपोर्टर @ पटना

राजधानी के केसरी नगर मुहल्ले की रहने वाली आरोही श्रीवास्तव 18 दिसंबर को चाइना में इंडिया को रिप्रेजेंट करेंगी. चीन में वह एनएसआर वर्ल्ड मॉडल लुक में भाग ले रही हैं. इस कार्यक्रम में पूरे विश्व से मॉडल भाग लेंगे, जिसमें इंडिया से एक मेल और फीमेल का चयन हुआ है. आरोही के अलावा पुणे से एक मेल मॉडल इसमें भाग लेने के लिए जा रहे हैं.

यहां चार दिवसीय कार्यक्रम है, जो 18 से 21 दिसंबर तक चलेगा. इस दौरान कंटेस्टेंट मीटिंग, सिटी टूर, प्रैक्टिस के अलावा अन्य कई तरह के सेशन है. वहीं 21 को वर्ल्ड फाइनल कार्यक्रम है, जिसमें सभी प्रतिभागी अपने-अपने देश को अपनी कला और वेश-भूषा के माध्यम से प्रस्तुत करेंगे.

मिस बिहार रह चुकी हैं आरोही

आरोही को बचपन से ही मॉडलिंग में इंट्रेस्ट रहा है. इसलिए वे हमेशा अपनी पढ़ाई के साथ-साथ अपने सपने भी जीती रही हैं. उन्होंने अपनी करियर की शुरुआत में 2015 में मिस बिहार बन कर पटना का नाम रोशन किया. इसके साथ ही 2016 में मिस टूरिज्म इंडिया में टॉप 8 तक अपनी पहचान बनायी. वर्ष 2018 में रूबरू मिस इंडिया एलाइट और मिस वर्ल्ड नोबल क्वीन रह चुकी हैं. इस दौरान वे इंटरनेशनल लेबल पर कैंबोडिया जा कर थर्ड रनरअप चुनी गयी थी. इस बारे में उन्होंने बताया कि मैं अपने खुद को उस मुकाम तक पहुंचाना चाहती हूं. इसके लिए पूरी मेहनत के साथ आगे बढ़ रही हूं और मैं बताना चाहती हूं कि बिहार की बेटी भी देश और विदेश में अपने टैलेंट के बल पर पहचान बना सकती हैं.

पूर्व मिस बिहार आरोही करेंगी प्रतिनिधित्व

Hindustan (Date: - 17/12/2019)

बेहतर कार्य को बिहार के दो को पुरस्कार

पीएम आवास योजना

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के सफल कार्यान्वयन में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बिहार को दो लोगों को पुरस्कार के लिए चुनाव गया हैं। व्यक्तिगत श्रेणी के पुरस्कारों के लिए समस्तीपुर जिला के पूसा प्रखंड की आवास सहायक सोनम कुमारी और मुखिया राम बाबू सिंह को चुना गया है।

यह जानकारी ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने सोमवार को दी। कहा कि चयनित लोगों को 19 दिसम्बर को राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिषद कम्प्लेक्स नई दिल्ली में आयोजित समारोह में पुरस्कार लेने के लिए आमंत्रित किया गया है।

उपलब्धि

- योजना के बेहतर कार्यान्वयन के लिए चुना गया
- आवास सहायक व मुखिया को 19 को मिलेगा पुरस्कार

कहा कि ग्रामीण विकास मंत्रालय ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की राशि समय पर लाभुक के खाते में भेजने के लिए आईसीआईसीआई बैंक को बेस्ड स्टेट नोडल बैंक के रूप में भी पुरस्कृत करने का निर्णय लिया है।

श्री कुमार ने कहा कि बिहार के चयनित दोनों लोगों ने कुल लक्ष्य 153 में से 152 लाभुकों को आवास की स्वीकृति दी। मानक के अनुरूप 145 आवासों को पूर्ण कराया जो लक्ष्य के विरुद्ध 94 प्रतिशत है। कहा कि राज्य के सभी जिलों से लगभग 10 नॉमिनेशन मिले थे। स्थल जांच के क्रम में इन दोनों का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा।

Hindustan (Date: - 17/12/2019)

कुशल युवा कार्यक्रम की समीक्षा में उपमुख्यमंत्री ने दिया उम्र सीमा बढ़ाने सुझाव

30 साल तक के युवा ले सकेंगे कौशल प्रशिक्षण

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

सरकार के सात निश्चय में से एक श्रम संसाधन विभाग की ओर से चलाए जा रहे कुशल युवा कार्यक्रम -केवाईपी में अब 30 वर्ष तक के युवा कौशल विकास का प्रशिक्षण ले सकेंगे। केवाईपी की समीक्षा बैठक में उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने प्रशिक्षण के लिए उम्र बढ़ाने का सुझाव दिया है। कम से कम दसवीं पास युवा इस कार्यक्रम के तहत हिन्दी व अंग्रेजी बोलने, सुनने व समझने, लिखने-पढ़ने का बुनियादी प्रशिक्षण ले रहे हैं। साथ ही युवाओं को संवाद कौशल व कम्प्यूटर का बुनियादी ज्ञान भी दिया जा रहा है।

सोमवार को सचिवालय में अपने कार्यालय कक्ष में समीक्षा बैठक में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशिक्षणार्थियों को आकर्षित करने व उनकी संख्या बढ़ाने के लिए अधिकतम उम्र सीमा 28 से बढ़ा कर 30 की जाए। साथ ही हर दिन प्रशिक्षण के चार घंटे की अवधि घटाई जाए। प्रशिक्षण के लिए निबंधन कराने वाले छात्रों से आवास प्रमाण पत्र की बाध्यता को खत्म की जाए। मैट्रिक की परीक्षा में शामिल हो चुके छात्रों को भी प्रशिक्षण का मौका दिया जाए।

7.28 लाख प्रशिक्षणार्थियों को मिल चुका है सर्टिफिकेट : बैठक में उपमुख्यमंत्री को अधिकारियों ने बताया कि बीते तीन साल से केवाईपी के तहत युवाओं का कौशल विकास के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चल रहा है। 2016-17 से शुरू इस कार्यक्रम के तहत अब तक 10.07 लाख प्रशिक्षणार्थियों का निबंधन हुआ। इसमें से 7.28 लाख ने प्रशिक्षण पूरा कर सर्टिफिकेट प्राप्त कर लिया है। 1502 केन्द्रों के माध्यम से 87,140 कम्प्यूटर और कम्युनिकेशन स्किल का प्रशिक्षण युवा ले रहे हैं। प्रशिक्षणार्थियों की उपस्थिति से संबंधित बड़े पैमाने पर मिली शिकायतों के बाबत शीघ्र ही उपस्थिति को आधार से जोड़ा जा रहा है।

कामकाज

- अब तक चले प्रशिक्षण कार्यक्रम की रिपोर्ट बनाएगा श्रम संसाधन
- युवाओं को संवाद कौशल व कम्प्यूटर ज्ञान भी दिया जा रहा

28 वर्ष है अभी कौशल प्रशिक्षण के लिए उम्र सीमा

10.07 लाख निबंधन हुए अब तक

सिक्यूरिटी मनी वापस की जाए

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि केवाईपी के तहत संचालित प्रशिक्षण केन्द्रों को नियमित भुगतान किया जाए। इसकी निगरानी हो। प्रशिक्षणार्थियों से ली जाने वाली सिक्यूरिटी मनी प्रशिक्षण समाप्त होते ही प्रमाणपत्र के साथ उनको वह पैसा भी लौटा दिया जाए। कुशल युवा कार्यक्रम के तहत राज्य के युवाओं का हो रहे कौशल विकास के अनुभवों पर एक रिपोर्ट पर तैयार करने को कहा। एक महीने के भीतर श्रम संसाधन विभाग यह रिपोर्ट तैयार करेगा। रिपोर्ट के आधार पर केवाईपी के प्रशिक्षण सामग्री को और सार्थक व सामयिक बनाया जाएगा। बैठक में विभागीय मंत्री विजय कुमार सिन्हा, अपर मुख्य सचिव सुधीर कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

1502 केंद्रों पर कंप्यूटर का युवाओं ने लिया प्रशिक्षण